श्याम की कृपा | By Pramod Tripathi

शहनाइयों की सदा कह रही है
खुशी की मुबारक घडी आ गई है
सजे सुर्ख बागे में चाँद से बाबा
ज़मीं पर फलक से एक छवि आ गई है

इतने सेठ जहाँ में मौज उड़ाते हैं
उन्ही से पूछो कहाँ से लेकर आते हैं
पता लगाया हमने इनके बारे में
पता चला है अक्सर खाटू जाते हैं

श्याम हो जब साथ तो चिंता भला कैसी
काम सारे हो रहे इसकी दया ऐसी
हो गई पूरी तमन्ना चाहा था जैसा
मिल गया हमको ठिकाना दुनिया में वैसा
किसी के आगे हाथ नहीं फैलाते हैं
पड़े ज़रूरत सीधे खाटू जाते हैं

देखा इसने हाल जब इस नए ज़माने का
पड़ गया चस्का इसे भी सेठ बनाने का
आज़माना है अगर तुम आज़मा लेना
खाटू जाके ये करिश्मा देख भी लेना
निर्धन से भी निर्धन खाटू जाते हैं
अगले ही दिन सेठ नज़र वो आते हैं

है इरादा गर तेरा भी मौज उड़ाने का
स्नेही तू भी नियम बना ले खाटू जाने का
खाटू आने जाने से किस्मत संवर जाती
श्याम अच्छी खासी पहचान हो जाती
रोज़ रोज़ जो श्याम से मिलने जाते हैं
सांवरिया की आँखों में बस जाते हैं

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%95%e0%a5%83%e0%a4%aa%e0%a4%be-by-pramod-tripathi/